प्रसार भारती

आकाशवाणी शिमला

20.05.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

जनगणना

प्रदेश में जनगणना–2027 का पहला चरण एक जून से शुरू हो रहा है जो 15 जुलाई तक चलेगा। पहली से 15 जून तक लोग स्वगणना के जरिए ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे। जनगणना के सफल कार्यान्वयन को लेकर आज जनगणना कार्य निदेशालय शिमला में एक बैठक हुई जिसमें आकाशवाणी, दूरदर्शन, सीबीसी और पत्र सूचना ब्यूरो के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान जनगणना को लेकर लोगों को जागरूक करने को लेकर रणनीति बनाई गई। जनगणना कार्य निदेशालय की निदेशक दीपशिखा शर्मा ने बताया कि 16 जून से 15 जुलाई तक मकानों की गणना और सूचीकरण कार्य किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में सहयोग की अपील की है।

एक भारत–श्रेष्ठ भारत

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल ''एक भारत–श्रेष्ठ भारत'' के तहत शुरू किए गए युवा संगम कार्यक्रम के तहत हिमाचल और पुडुचेरी के बीच सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान–प्रदान की एक अनूठी पहल चलाई जा रही है। इसी सिलसिले में एनआईटी पुडुचेरी के 48 छात्रों और फेकल्टी समन्वयकों का एक दल केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला पहुंचा है। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए एक भारत–श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम से देश की एकता व अखण्डता को मजबूती मिलेगी और इसके माध्यम से युवाओं को देश के सभी राज्यों की संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिल रहा है।

सुरेश कश्यप

सांसद सुरेश कश्यप ने डी.ए.पी. और एन.पी.के. खाद पर दी जा रही 50 रूपए प्रति बोरी सब्सिडी बंद करने पर राज्य सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के इस निर्णय से एक बार फिर साबित हो गया है कि उसे किसानों, बागवानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कोई चिंता नहीं है। सुरेश कश्यप ने इस कदम को किसानों के साथ विश्वासघात करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 9 लाख से अधिक किसान परिवार खेती व बागवानी से जुड़े हैं और खाद पर सब्सिडी बंद करने से उन पर आर्थिक बोझ पड़ेगा। सुरेश कश्यप ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और वित्तीय कुप्रबंधन और गलत नीतियों के कारण सरकार प्रदेश को भारी कर्ज में धकेल चुकी है।

<u>ई–फार्मेसी</u>

ई–फार्मेसी के विरोध में दवा विक्रेताओं की राष्ट्रव्यापी बंद के आहवान का आज प्रदेश में भी असर देखने को मिला। सोलन जिले की लगभग डेढ़ हजार दवा दुकानें आज पूरी तरह बंद रही। दवा व्यापारियों ने सरकार से ऑनलाइन दवा की खरीद पर रोक लगाने की मांग की है। सोलन जिला कैमिस्ट एसोसिएशन के सहसचिव विपुल शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन दवा खरीद से दवा व्यापारियों का व्यापार खत्म हो रहा है और लोगों को नकली दवाएं ही मिल रही हैं। इस दौरान एसोसिएशन ने उपायुक्त के माध्यम से सरकार को एक ज्ञापन भी सौंपा।

————————